



**VAJIRAO & REDDY INSTITUTE**

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050



+918988886060

www.vajiraoinstitute.com



info@vajiraoinstitute.com

# TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(07 November 2024)

## Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

## Important News:

- ट्रम्प 2.0 से वैश्विक पेट्रोलियम बाजार पर मंदी का असर पड़ने की आशंका
- पहली 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली की खोज
- भारत सरकार द्वारा पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी
- MCQ

## ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



## ट्रम्प 2.0 से वैश्विक पेट्रोलियम बाजार पर मंदी का असर पड़ने की

### आशंका:

#### चर्चा में क्यों है?

- रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद 6 नवंबर को तेल की कीमतों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जिससे डॉलर में उछाल आया।
- हालांकि तेल की कीमतों में गिरावट का कारण डॉलर का मजबूत होने के अलावा, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने पर ऐसी नीतियाँ देखने को मिल सकती हैं जो चीनी अर्थव्यवस्था पर और दबाव डाल सकती हैं, जिससे दुनिया के शीर्ष कच्चे तेल आयातक में तेल की मांग कम हो सकती है।



#### ऐसा क्यों कहा जा रहा है?

- ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के सत्ता में आने से वैश्विक स्तर पर रूसी तेल की मुक्त आवाजाही हो सकती है, जिससे पहले से ही गिरते कच्चे तेल की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

#### ADDRESS:



- ट्रंप के जीतने के साथ ही अमेरिका से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि रिपब्लिकन नेता का दृष्टिकोण हाइड्रोकार्बन के पक्ष में है।
- यदि सख्ती से लागू किया गया तो आयात पर उच्च टैरिफ लगाने की उनकी योजना - विशेष रूप से चीन से होने वाले आयात पर - वैश्विक तेल मांग पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है क्योंकि चीन दुनिया का शीर्ष तेल आयातक है।
- उल्लेखनीय है कि गैर-ओपेक देशों से अधिक उत्पादन के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट आ सकती है, जो सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल कार्टेल ओपेक+ से कम आपूर्ति को संतुलित करेगा।

### विश्व स्तर पर कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें:

- वर्ष 2024 में वैश्विक तेल की कीमतें अत्यधिक अस्थिर रही हैं, जो मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक संकट के कारण अप्रैल में 90 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई थी, तथा वर्तमान में चीन से मांग संबंधी चिंताओं के कारण लगभग 72-75 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 10 सितंबर को 69 डॉलर पर आ गया, जो तीन वर्षों में सबसे कम थी।
- मॉर्गन स्टेनली ने सितंबर माह में कहा था कि वैश्विक तेल बाजार में मांग में कमजोरी का दौर चल रहा है, जैसा कि मंदी के दौरान देखा गया था।

#### ADDRESS:



## तेल की कम कीमतों का भारत पर प्रभाव:

- उल्लेखनीय है कि भारत के लिए तेल कीमतों में कमी अच्छा संकेत हो सकती है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। भारत-कच्चे तेल का शुद्ध आयातक है और अपनी आवश्यकताओं का 85 प्रतिशत से अधिक अन्य देशों से प्राप्त करता है। यह देश में बिकने वाले पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों से जोड़ता है।

## डोनाल्ड ट्रंप का ईरान पर रुख:

- ट्रंप के अमेरिकी चुनाव जीतने के साथ ही, ईरानी तेल के बाजार में वापस आने की उम्मीद नाटकीय रूप से कम हो गई है। ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगा दिए थे, जिससे देश से कच्चे तेल की आपूर्ति अवरुद्ध हो गई थी।
- हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ईरानी तेल के बाजार में उपलब्ध न होने से तेल बाजार पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अब तक चीन ही इसका एकमात्र खरीदार था।

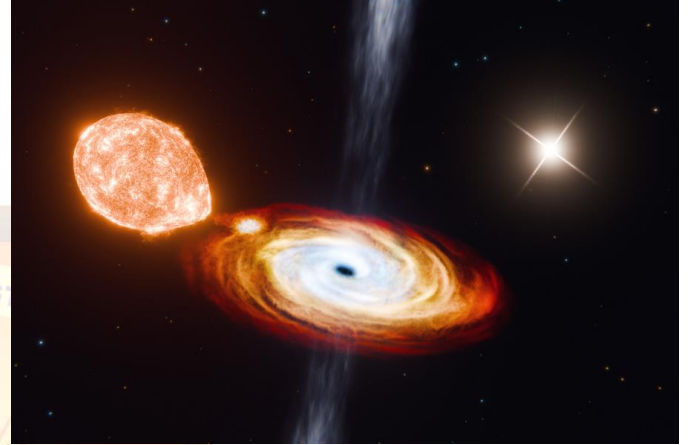
### ADDRESS:



## पहली 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली की खोज:

### चर्चा में क्यों है?

- एक नए अध्ययन में कहा गया है कि वैज्ञानिकों ने पहली बार अंतरिक्ष में एक "ब्लैक होल ट्रिपल" की खोज की है।



यह अध्ययन, 'ब्लैक होल लो-मास

एक्स-रे बाइनरी V404 सिग्नी एक विस्तृत ट्रिपल का हिस्सा है', कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया था, और पिछले महीने नेचर में प्रकाशित हुआ था।

- इस प्रणाली में एक ब्लैक होल शामिल है जो अपने केंद्र में है और वर्तमान में अपने बहुत करीब घूम रहे एक छोटे तारे को निगलने की प्रक्रिया में है। एक दूसरा तारा भी है, जो ब्लैक होल का चक्कर लगाता हुआ प्रतीत होता है, लेकिन बहुत दूर है।

### यह खोज ब्लैक होल के बनने की सामान्य प्रक्रिया से अलग है:

- पृथ्वी से लगभग 8,000 प्रकाश वर्ष दूर स्थित इस प्रणाली की खोज ने, ब्लैक होल बनने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

#### ADDRESS:



- उल्लेखनीय है कि ब्लैक होल अंतरिक्ष में एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ गुरुत्वाकर्षण का खिंचाव इतना मजबूत होता है कि कोई भी पदार्थ या प्रकाश इससे बच नहीं सकता।
- खगोलविदों का मानना है कि अधिकांश ब्लैक होल तब बनते हैं जब बड़े तारे अपने जीवन के अंत में फट जाते हैं - जिसे सुपरनोवा के रूप में जाना जाता है। हालाँकि, ट्रिपल सिस्टम एक सौम्य प्रक्रिया का सुझाव देता है।
- आज तक खोजे गए कई ब्लैक होल एक जोड़ी का हिस्सा प्रतीत होते हैं। इन बाइनरी सिस्टम में एक ब्लैक होल और एक द्वितीयक वस्तु शामिल होती है - जैसे कि एक तारा, एक बहुत सघन न्यूट्रॉन तारा, या कोई अन्य ब्लैक होल - जो एक दूसरे के चारों ओर सर्पिल होते हैं, ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण द्वारा एक साथ खींचे जाने पर एक तंग कक्षीय जोड़ी बनाते हैं।
- अब यह आश्चर्यजनक खोज ब्लैक होल की तस्वीर का विस्तार कर रही है।

### **‘ब्लैक होल ट्रिपल’ सिस्टम:**

- इस नई प्रणाली में एक केंद्रीय ब्लैक होल है जो एक छोटे तारे को निगलने की क्रिया में है जो हर 6.5 दिनों में ब्लैक होल के बहुत करीब घूमता है - अधिकांश बाइनरी सिस्टम के समान विन्यास। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से, एक दूसरा तारा

#### **ADDRESS:**

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



भी ब्लैक होल का चक्कर लगाता हुआ प्रतीत होता है, हालांकि बहुत अधिक दूरी पर। भौतिकविदों का अनुमान है कि यह दूर का साथी हर 70,000 साल में ब्लैक होल की परिक्रमा करता है।

- अध्ययनकर्ताओं ने बताया है कि "यह [ब्लैक होल ट्रिपल] लगभग निश्चित रूप से संयोग या दुर्घटना नहीं है... इसमें दो सितारे दिख रहे हैं जो एक दूसरे का अनुसरण कर रहे हैं क्योंकि वे गुरुत्वाकर्षण की इस कमजोर स्ट्रिंग से जुड़े हुए हैं। इसलिए यह एक ट्रिपल सिस्टम होना चाहिए"।

### यह 'विफल सुपरनोवा' का परिणाम है:

- MIT अध्ययनकर्ताओं ने प्रस्तावित किया है कि V404 सिग्नी के चारों ओर दो तारे हैं क्योंकि ब्लैक होल सुपरनोवा से उत्पन्न नहीं हुआ था, जो आमतौर पर विस्फोट में बाहरी तारों को बाहर निकाल देता है। इसके बजाय, यह "प्रत्यक्ष पतन" नामक एक अन्य प्रक्रिया के माध्यम से बना था, जहाँ तारा अपना सारा ईंधन खर्च करने के बाद ढह जाता है, लेकिन विस्फोट नहीं करता है।
- इन घटनाओं को 'विफल सुपरनोवा' कहा जा सकता है। मूल रूप से, गुरुत्वाकर्षण पतन सुपरनोवा को ट्रिगर करने में सक्षम होने के लिए बहुत तेज़ी से कार्य करता है और इसके बजाय आपको एक विस्फोट मिलता है - जो बहुत नाटकीय और

ADDRESS:



**VAJIRAO & REDDY INSTITUTE**

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050  
+918988886060



www.vajiraoinstitute.com  
info@vajiraoinstitute.com



भयानक लगता है लेकिन यह इस अर्थ में 'कोमल' है कि आप किसी भी पदार्थ को बाहर नहीं निकालते हैं।

- हालांकि, ब्लैक होल ट्रिपल में हमेशा के लिए तीन सदस्य नहीं होंगे, क्योंकि V404 सिग्नी निकटतम तारे को खा रहा है। इससे पता चलता है कि पहले से खोजे गए कुछ बाइनरी सिस्टम किसी बिंदु पर ट्रिपल सिस्टम हो सकते हैं, जिसमें बाद में ब्लैक होल अपने सदस्यों में से एक को खा गया।



**ADDRESS:**

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)





## भारत सरकार द्वारा पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी:

### चर्चा में क्यों है?

- भारत सरकार ने प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय बाधाओं के कारण कोई भी छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित न हो सके। इस योजना के तहत मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा।
- इस नई केंद्रीय योजना के तहत केंद्र द्वारा 2024-25 से 2030-31 के लिए 3,600 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से उपजी एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) दोनों में मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।



### पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना क्या है?

- पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (QHEI) में दाखिला लेने वाले छात्र ट्यूशन फीस और अन्य कोर्स से संबंधित खर्चों को कवर

#### ADDRESS:



करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बिना किसी जमानत और बिना किसी गारंटी के ऋण ले सकते हैं।

- इस योजना को उपयोगकर्ता के अनुकूल, पारदर्शी और पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली के माध्यम से लागू किया जाएगा जो इंटरऑपरेबल है।
- एक मिशन-उन्मुख दृष्टिकोण के माध्यम से, देश के शीर्ष 860 प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश लेने वाले योग्य छात्रों को शिक्षा ऋण दिया जाएगा, जिससे सालाना 22 लाख से अधिक छात्र लाभान्वित होंगे।
- 2024-25 से 2030-31 की अवधि के लिए 3,600 करोड़ रुपये का व्यय आवंटित किया गया है, अनुमान है कि इस ब्याज अनुदान से 7 लाख नए छात्रों को लाभ मिलेगा।

### योजना की अन्य विशेषताएँ:

- यह कार्यक्रम देश में एनआईआरएफ रैंकिंग द्वारा निर्धारित उच्चतम गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षा संस्थानों पर लागू होगा। इसमें सभी उच्च शिक्षा संस्थान, सरकारी (केंद्रीय और राज्य स्तरीय संस्थान) और निजी दोनों शामिल हैं।

#### ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- भारत सरकार 7.5 लाख रुपये तक की ऋण राशि के लिए 75% क्रेडिट गारंटी प्रदान करेगी, जिससे बैंकों को छात्रों के लिए अपने कवरेज और सहायता का विस्तार करने में सहायता मिलेगी।
- इस योजना के तहत 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3% ब्याज छूट दी जाएगी। यह 4.5 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को उपलब्ध मौजूदा पूर्ण ब्याज छूट के अतिरिक्त है।
- ब्याज अनुदान भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) वॉलेट के माध्यम से किया जाएगा।
- उच्च शिक्षा विभाग "पीएम-विद्यालक्ष्मी" नामक एक समेकित पोर्टल शुरू कर रहा है, जहां छात्र आसानी से सभी बैंकों से शिक्षा ऋण और ब्याज अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### पीएम विद्यालक्ष्मी और PM-USP की पूरकता:

- पीएम विद्यालक्ष्मी भारत सरकार द्वारा पिछले दशक में शिक्षा और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में की गई पहलों के दायरे और पहुंच को आगे बढ़ाएगी, ताकि भारत के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच को अधिकतम किया जा सके।

#### ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



**VAJIRAO & REDDY INSTITUTE**

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050  
+918988886060



www.vajiraoinstitute.com  
info@vajiraoinstitute.com



- यह उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन (PM-USP)' की दो घटक योजनाओं 'केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी (CSIS)' और 'शिक्षा ऋण के लिए ऋण गारंटी निधि योजना' का पूरक होगा।
- PM-USP कार्यक्रम के माध्यम से, ₹ 4.5 लाख तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के छात्र जो अनुमोदित संस्थानों में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं, वे अधिस्थगन अवधि के दौरान ₹ 10 लाख तक के शिक्षा ऋण पर पूर्ण ब्याज छूट के लिए पात्र हैं।
- पीएम विद्यालक्ष्मी और PM-USP मिलकर सभी योग्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च शिक्षा और स्वीकृत उच्च शिक्षा संस्थानों में तकनीकी/व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए समग्र सहायता प्रदान करेंगे।

**ADDRESS:**

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



## MCQs

1. चर्चा में रहे 'वैश्विक पेट्रोलियम बाजार में मंदी का भारत पर प्रभाव' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के लिए तेल कीमतों में कमी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।

2. भारत-कच्चे तेल का शुद्ध आयातक है और अपनी आवश्यकताओं का 85 प्रतिशत से अधिक अन्य देशों से प्राप्त करता है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**Ans:(b)**

2. हाल ही के एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पहली बार अंतरिक्ष में एक "ब्लैक होल ट्रिपल" प्रणाली की खोज की है, जो पृथ्वी से लगभग 8,000 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। दूरी की सबसे बड़ी इकाई पारसेक में यह कितनी होगी?

(a) 2225 पारसेक

(b) 4000 पारसेक

(c) 5600 पारसेक

(d) 6250 पारसेक

**Ans:(a)**

**ADDRESS:**

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



3. चर्चा में रही पहली 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी खोज नासा के वैज्ञानिकों ने किया है।
2. इस खोज में ब्लैक होल के सामान्य प्रणाली से अलग ब्लैक होल की परिक्रमा तीन तारों द्वारा किया जा रहा है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**Ans:(d)**

4. चर्चा में रहे 'पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना' के तहत मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए कितनी राशि तक के ऋण पर सरकार द्वारा 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाएगी?

- (a) 10 लाख रुपया
- (b) 8 लाख रुपया
- (c) 7.5 लाख रुपया
- (d) 4.5 लाख रुपया

**Ans:(c)**

**ADDRESS:**

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



5. चर्चा में रहे 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन (PM-USP)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके माध्यम से, 4.5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के छात्र को तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु 10 लाख तक के शिक्षा ऋण पर ब्याज में 3 प्रतिशत छूट प्रदान की जाती है।
2. इस योजना की दो घटक योजना- 'केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी' और 'शिक्षा ऋण के लिए ऋण गारंटी निधि योजना' है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

**Ans:(b)**

**ADDRESS:**

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)